

अंधा बगुना पुं. (तत्.+तद्.) प्राणि. मटमैले भूरे वर्ण का बगुले जैसा पक्षी जो प्रायः दलदल में रहता है, उड़ते समय उसके श्वेत चमकीले पंख बगुले के पंखों के समान दिखते हैं।

अंधा शीशा पुं. (तत्.) वह दर्पण जिसमें कुछ भी (जैसे चेहरा) दिखाई न देता हो।

अंधाहुली पुं. (देश.) वन. नीले पुष्पों वाला एक झाड़ीदार औषधीय पौधा, शंखाहुली, शंखपुष्पी, चोरपुष्पी।

अंधिका स्त्री. (तत्.) 1. रात्रि, रात 2. 'आँखमिचौली' नाम का खेल।

अंधी वि. (तद्.) दृष्टि हीन (स्त्री.) ला.अर्थ. 1. अपना हित अहित सोचने में असमर्थ (स्त्री.) 2. विचारहीन (स्त्री.) 3. अज्ञानी, मूर्ख (स्त्री) स्त्री. 1. दृष्टिविहीन स्त्री 2. विवेकशून्य स्त्री।

अंधी गली स्त्री. (तद्.) ऐसी गली जो दूसरी ओर से बंद हो, बंद गली।

अंधी घाटी स्त्री. (तद्.+देश.) भूगो. ऐसी घाटी जिसमें किसी नदी का सारा जल पृथ्वी के किसी गर्त में प्रवेश कर जाता है।

अंधी छाप स्त्री. (तद्.+देश.) मुद्रा. अस्पष्ट छाप (छपाई, प्रिंटिंग) 2. अस्पष्ट मुद्रांकन-चिन्ह 3. छिपा हुआ, अप्रत्यक्ष, अस्पष्ट अथवा अज्ञात प्रभाव।। blind impression

अंधी सरकार स्त्री. (तद्.फा) 1. प्रशा. राज. हित-अहित का विचार किए बिना कार्य करने वाली शासन-व्यवस्था 2. राज्य अथवा राष्ट्र की गतिविधियों एवं संसाधनों के उपयोग का नीति-पूर्वक नियमन करने में असमर्थ सरकार।

अंधेर पुं. (तद्.) 1. अन्याय, जुल्म, मनमाना आचरण 2. अव्यवस्था, कुशासन मुहा. अंधेर मचाना- घोर अन्याय करना; देर है पर अँधेर नहीं- काम के होने में देर हो जाए, किंतु वह काम होगा अवश्य।

अंधेरखाना पुं. (तद्.+देश.) 1. प्रबं.प्रशा. नीति एवं न्याय के पूर्ण अभाव की स्थिति 2. मनमानी व्यवस्था 3. घोर अव्यवस्था।

अंधेरगर्दी स्त्री. (तद्.+फा) घोर अव्यवस्था या अन्याय।

अंधेरनगरी स्त्री. (तत्.) ऐसी नगरी जिसमें सुशासन नाम की कोई चीज न हो, अराजकतापूर्ण नगरी।

अंधेरा पुं. (तत्.) 1. प्रकाश का न होना, प्रकाश का अभाव 2. अन्याय, अत्याचार, अव्यवस्था, कुप्रबंध, गड़बड़।

अंधि पुं. (तत्.) पैर, चरण, पाँव।

अंपायर पुं. (अं.) 1. खेल के मैदान में उपस्थित दो में से कोई भी वह अधिकारी जो क्रिकेट के खेल में खिलाड़ियों से खेल संबंधी नियमों का पालन करवाता है तथा विवादास्पद बातों पर निर्णय देता है, निर्णायक 2. वादकारियों द्वारा विवाद की स्थिति में विवाचन के लिए परस्पर-संबद्ध व्यक्ति। umpire

अंब पुं. (तत्.) 1. पिता, जनक 2. पानी, जल 3. नेत्र, आँख पुं. (तद्.) आम का पेड़ अथवा फल स्त्री. (तद्.) (तत्.) 1. माता, जननी 2. दुर्गा, पार्वती।

अंबक पुं. (तत्.) 1. नेत्र, आँख, जैसे त्र्यंबक तीन नेत्रों वाले (शिव) 2. पिता।

अंबर पुं. (तत्.) 1. आकाश, आसमान 2. बादल, मेघ 3. वस्त्र, कपड़ा।

अंबरचर वि.पुं. (तत्.) आकाश में विचरण करने वाला, नभचर, सूर्य, चंद्रमा, तारे, पक्षी आदि वायुयान।

अंबरचारी पुं. (तत्.) 1. आकाश में विचरण करने वाला प्राणी 2. पक्षी 3. पवन, वायु 4. वायुयान, रॉकेट आदि 5. पतंग 6. आकाशीय पिंड।

अंबर-डंबर पुं. (तत्.) सूरज के डूबने के समय आकाश की लाली।